

भारतीय ज्योतिष, मनोविज्ञान और मानव चेतना



ज्योतिषाचार्य डॉ. तेजकर गण्डे

भारतीय ज्योतिष केवल भविष्यवाणी की पद्धति नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन, मानसिक संरचना, चेतना, सामाजिक व्यवहार तथा ब्रह्माण्डीय व्यवस्था को समझने का एक अत्यंत प्राचीन और विकसित ज्ञानतंत्र है। मेरा यह मानना है कि ज्योतिष को केवल अंधविश्वास अथवा भाग्यवाद के रूप में देखना उसके व्यापक दार्शनिक और सांस्कृतिक स्वरूप को सीमित कर देना है। वास्तव में ज्योतिष मानव सभ्यता के उस गहन प्रयास का परिणाम है जिसके माध्यम से मनुष्य ने स्वयं को, प्रकृति को और ब्रह्माण्ड को एक-दूसरे से जुड़ी हुई शक्तियों के रूप में समझने का प्रयास किया। मानव इतिहास के प्रारंभ से ही आकाश, सूर्य, चंद्रमा, ग्रहों और नक्षत्रों ने मनुष्य को चेतना को आकर्षित किया है। आदिम मानव ने यह अनुभव किया कि प्रकृति में होने वाले परिवर्तन, ऋतुओं का क्रम, समुद्र की ज्वार-भाटा, कृषि की उर्वरता, पशुओं का व्यवहार तथा मानव जीवन की अनेक घटनाएँ किसी न किसी प्रकार आकाशीय गतिविधियों से सम्बद्ध प्रतीत होती हैं। यही अनुभव आगे चलकर ज्योतिष के रूप में विकसित हुआ।

विश्व की प्राचीन सभ्यताओं में ज्योतिष का विशेष महत्व रहा है। मेसोपोटामिया, मिस्र, चीन, यूनान तथा भारत में ग्रहों और तारों की गतिविधियों का गहन अध्ययन किया गया। मेसोपोटामिया में पुरोहित वर्ग ग्रहों की गतियों को देवताओं की इच्छा का संकेत मानता था और युद्ध, कृषि, राज्य तथा सामाजिक जीवन से सम्बद्ध निर्णय इन्हीं संकेतों के आधार पर लिए जाते थे। बाद में बेबीलोनियन सभ्यता

गंगा सप्तमी और गंगा दशहरा मनाएं एक साथ

हिंदू धर्मग्रंथों में मां गंगा को केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवन और मोक्ष देने वाली देवी माना गया है। गंगा से जुड़े दो प्रमुख पर्व गंगा सप्तमी और गंगा दशहरा हर साल श्रद्धा के साथ मनाए जाते हैं। हालांकि कई लोग इन दोनों त्योहारों को एक ही मान लेते हैं, लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दोनों का महत्व अलग है।

गंगा सप्तमी को मां गंगा के पुनर्जन्म का दिन माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, जब गंगा के तेज बहाव से ऋषि जह्नु का आश्रम प्रभावित हुआ तो उन्होंने क्रोधित होकर गंगा को पी लिया। बाद में राजा भगीरथ की प्रार्थना पर ऋषि ने गंगा को अपने कान से बाहर निकाला। इसी कारण मां गंगा को 'जाह्नवी' भी कहा जाता है और इस दिन को गंगा सप्तमी के



रूप में मनाया जाता है।

वहीं गंगा दशहरा वह पावन दिन है जब मां गंगा पहली बार स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। मान्यता है कि राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों की आत्मा को शांति के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने मां गंगा को धरती पर

भेजने का निर्णय लिया। लेकिन गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसके प्रभाव को सहन नहीं कर सकती थी। तब भगवान शिव ने गंगा को अपनी जटाओं में धारण कर उनके प्रवाह को नियंत्रित किया। इसके बाद मां गंगा धरती पर अवतरित हुईं और इसी दिन को गंगा दशहरा कहा

गंगा दशहरा के दिन मां गंगा की पूजा, दीपदान, गंगा स्तोत्र का पाठ और जरूरतमंदों को दान करना विशेष फलदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा से किया गया हर पुण्य कार्य जीवन में सुख, शांति और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है।

गंगा दशहरा 25 मई को मनाया जाएगा। इस बार यह पर्व अधिक मास में पड़ रहा है, इसलिए इसका धार्मिक महत्व कई गुना बढ़ गया है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन गंगा स्नान, दान-पुण्य और पूजा करने से दस जन्मों के पाप समाप्त हो जाते हैं। यदि कोई व्यक्ति गंगा नदी तक नहीं पहुंच सकता, तो घर में स्नान के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना भी पुण्यदायी माना गया है।

भारतीय संस्कृति में घर का पूजा घर केवल आस्था का स्थान नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति का केंद्र माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पूजा घर बनाने के लिए सबसे शुभ दिशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा मानी जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस दिशा में मंदिर स्थापित करने से घर में सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक वातावरण बना रहता है।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर-पूर्व दिशा को देवताओं का स्थान माना गया है। इसी कारण पूजा, ध्यान और धार्मिक कार्यों के लिए यह दिशा सर्वोत्तम मानी जाती है। मान्यता है कि इस दिशा में पूजा घर

पूजा घर के लिए शुभ दिशा: ईशान कोण माना सबसे उत्तम



होने से घर के सदस्यों के मन में शांति बनी रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। साथ ही परिवार में आपसी प्रेम

सामंजस्य भी मजबूत होता है।

पूजा करते समय व्यक्ति का मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। इससे एकाग्रता बढ़ती है और पूजा का आध्यात्मिक प्रभाव अधिक माना जाता है। पूजा घर को हमेशा साफ-सुथरा और शांत स्थान पर बनाना चाहिए। मंदिर को जमीन पर रखने की बजाय लकड़ी या संगमरमर के छोटे मंच पर रखना बेहतर माना जाता है। वास्तु शास्त्र में कुछ दिशाओं को पूजा घर के लिए अशुभ भी बताया गया है। दक्षिण दिशा में मंदिर बनाना उचित नहीं माना जाता। इसके अलावा बाधरुम के पास, सीढ़ियों के नीचे या बेडरुम में पूजा घर बनाने से बचने की सलाह दी जाती है।

सूर्य को जल अर्पित करने की परंपरा आज भी कायम

मान्यता है कि नियमित रूप से सूर्य को जल चढ़ाने से व्यक्ति को मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। विशेष रूप से रविवार और संक्रांति के दिनों में सूर्य पूजा का महत्व अधिक माना जाता है। कई लोग जल अर्पित करते समय 'सूर्याय नमः' या गायत्री मंत्र का जाप भी करते हैं। तांबे के लोटे से सूर्य को जल चढ़ाना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का



संचार होता है और ग्रह दोषों का प्रभाव कम होता है। ज्योतिष शास्त्र में भी सूर्य को आत्मा, सम्मान और नेतृत्व का कारक ग्रह माना गया है। इसलिए सूर्य उपासना को आत्मबल बढ़ाने वाला माना जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो सुबह की हल्की धूप शरीर के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि सूर्योदय के समय सूर्य की किरणों में मौजूद विटामिन-डी शरीर को हड्डियों और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करता है। वहीं जल की धारा के बीच से सूर्य को देखने से आंखों और मन को शांति मिलने की बात भी कही जाती है। सुबह जल्दी उठकर सूर्य को



ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरों तक, महिलाओं और घरों में सूर्य पूजा की परंपरा आज भी जीवित है। विशेषज्ञों का मानना है कि धार्मिक आस्था और वैज्ञानिक लाभों का यह सुंदर मेल भारतीय संस्कृति की विशेष पहचान है, जो पीढ़ियों से लोगों को प्रकृति और आध्यात्मिकता से जोड़ती आ रही है। जल अर्पित करने की आदत व्यक्ति की दिनचर्या को भी अनुशासित बनाती है। योग और आयुर्वेद से जुड़े जानकारों का कहना है कि सूर्य नमस्कार और सूर्य उपासना शरीर में ऊर्जा का संचार करती है। इससे मानसिक तनाव कम होता है और सकारात्मक सोच विकसित होती है।

घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने की परंपरा

भारतीय संस्कृति में घर के मुख्य द्वार को केवल प्रवेश का स्थान नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा के आगमन का मार्ग माना जाता है। यही कारण है कि प्राचीन समय से लोग घर के दरवाजे पर स्वास्तिक चिह्न बनाते आ रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं और वास्तु शास्त्र के अनुसार स्वास्तिक को शुभता, समृद्धि और मंगल का प्रतीक माना जाता है। आज भी देश के लाखों घरों में त्योहारों, पूजा-पाठ और विशेष अवसरों पर मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने की परंपरा निभाई जाती है। धर्म ग्रंथों में स्वास्तिक को भगवान गणेश और मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा गया है। मान्यता है कि घर के प्रवेश द्वार पर स्वास्तिक बनाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहता है। विशेष रूप से दीपावली, गृह प्रवेश, विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों के दौरान लोग लाल रंग, हल्दी, कुमकुम या रोली से स्वास्तिक बनाते हैं। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार मुख्य द्वार पर स्वास्तिक चिह्न लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसे शुभ संकेत माना जाता है और यह परिवार की उन्नति तथा आर्थिक समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कई लोग दरवाजे के दोनों ओर स्वास्तिक के साथ 'शुभ' और 'लाभ' भी लिखते हैं, जिसे व्यापार और परिवार के लिए मंगलकारी माना जाता है।



साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य वृषभ राशि में, मंगल मेष राशि में, बुध वृषभ राशि में ता. 29 को 10/2 दिन से मिथुन राशि में, गुरु मिथुन राशि में, शुक्र मिथुन राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा सिंह कन्या तुला और वृश्चिक राशि में संचरण करेगा।

ग्रहयोगों का प्रभाव:- ता. 25 को रोहिणीयां रवि के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, खांड, घी, तेल, तिल, ज्वार, बाजरा, सरसों, एरण्ड, अलसी, सूत में तेजी बनाए रखेगा। सोना और चांदी में कुछ मंदी आएगी। रूई, वस्त्र, शेरयों में साधारण तेजी होगी। ता. 30 को शुक्र पुनर्वसु नक्षत्र में प्रवेश करेगा, सोना, चांदी, रूई, कपास, जूट में मंदी आएगी, अनाजों में तेजी आएगी।

पर्व-व्रत-त्यौहार :

मंगलवार	26 मई को	गंगा दशहरा,
बुधवार	27 मई को	पुरुषोत्तमी एकादशी व्रत,
गुरुवार	28 मई को	प्रदोष व्रत,
शनिवार	30 मई को	पूर्णिमा व्रत

मेष परिवार की खुशियों पर बड़ा खर्च होगा, जिसे आप पसंद करते हैं, उसके साथ कुछ समय गुजारकर खुशी मिलेगी, पारिवारिक उल्लसकों में प्रसन्नता मिलेगी, उच्च अध्ययन में सफलता के आसार हैं, नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी, विरोधी आपकी गतिविधियों पर नजर रखेगा, कामकाज में सावधानी रखें, अपने बिखरे हुए कार्यों को समेटने में सफलता मिलेगी।

वृषभ जित में आकर गलत फैसला लेने से बचें, उच्च अध्ययन में सफलता मिलेगी, जिस योजना को लेकर काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे अंजाम तक पहुंचाने में सफलता का योग है। नौकरी में स्थान बदलने का मौका मिल सकता है, घूमने फिरने के बहाने रिश्तेदारी में जा सकते हैं, उन्नति की संभावना है, वैवाहिक चर्चाओं में सफलता मिलेगी।

मिथुन आपका पूरा ध्यान अपने कैरियर व भविष्य की योजनाओं की ओर रहेगा, नई योजनाओं को पूरा करने में सभी का सहयोग रहेगा, लोगों को अपनी बात समझाने में सफल रहेंगे, राह में आ रही मुश्किलों का सामना करने पर कामयाबी मिलेगी, कार्य स्थल पर नई शुरूआत का अनुभव होगा, व्यस्तता के कारण परिवार को वक देना मुश्किल होगा।

कर्क पुरानी परेशानी से छुटकारा मिलेगा, सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी, पार्टियों का दौर जारी रहेगा, दायरा बढ़ाने की कोशिश में रहेंगे, मौजमस्ती छोड़कर कुछ काम करने का मन बनेगा, संपत्ति संबंधी मामले सुलझेंगे, सप्ताहान्त में विरोधियों से सजग रहकर कार्य करें, बुजुर्ग की सलाह पर ध्यान दें।

सिंह अभी तक की गई मेहनत का लाभ मिलेगा, पारिवारिक व सामाजिक जीवन में अपने संबंधों को फिर से घनिष्ठ बनाने में मदद मिलेगी, मानसिक संतोष हेतु कुछ दिन के लिये घर से दूर जा सकते हैं, पारिवारिक सुख हेतु निवेश करेंगे, कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मेलजोल बढ़ावें, यह आपके लिये फायदेमंद होगा, दूसरों की मदद कर अपने मन को खुशी देंगे,

कन्या भाग्य अनुकूल बना रहने से मुश्किल कार्य भी आसानी से बनेगा, अपनी मजिल तक पहुंचने के लिये आपने जितनी मेहनत की है, उसका लाभ मिलेगा, वैभव विलासिता पर खर्च होगा, जो लोग आपको नकारा समझते हैं, वे भी आपकी काबलियत की तारीफ करेंगे, सरकारी मामलों में कुछ गलब हो सकता है, सौदे का मामला सुलझेंगा।

तुला इस सप्ताह आर्थिक मामलों से निपटना होगा, पुराने कर्जों से छुटकारा पाने के लिये आपकी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना पड़ेगा, पारिवारिक आयोजनों में आप बह चढ़कर हिस्सा लेंगे, बच्चों के कैरियर को लेकर चिन्ता रह सकती है, मानसिक तनाव की स्थिति से छुटकारा मिलेगा, जिस पर विश्वास कर रहें हैं, वे लोग आपका साथ छोड़ सकते हैं।

वृश्चिक नये संपर्क और नये व्यक्ति लाभदायक रहेंगे, आप सिर्फ लाभ पर ही ध्यान नहीं देंगे, अपितु रिश्ते बनाने का भी प्रयास करेंगे, आर्थिक स्थिति में सुधार के कारण दूसरों के कार्यों में ध्यान देंगे, किसी कार्य के लिये की गई यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी, अपने लगाव व नजरिये में बदलाव का अवसर मिलेगा, व्यक्तिगत जीवन में कार्यों में सामंजस्य से आप कामयाब रहेंगे।

धनु आपका यह सप्ताह प्रगति व सफलता लेकर आ रहा है, जो सपने आप देख रहे हैं उन्हें पूरा करने की राह बनेगी, अपनी वरिष्ठता और सामर्थ्य से ज्यादा जिम्मेदारी आने से आपका तनाव बढ़ सकता है, समाज में महत्वपूर्ण स्थान बनाने में सफल रहेंगे, कार्यस्थल पर अनिश्चय का माहौल बना रहेगा, संबंधों की फिर से समीक्षा करनी होगी, और दोस्त व दुश्मन में फर्क पहचानना पड़ेगा।

मकर इस सप्ताह निजी संबंधों पर ध्यान देने का भरपूर समय मिलेगा, पुराने दोस्तों से मुलाकातों का दौर चलेगा, किसी भी योजना को आप इस तरह से अंजाम देंगे कि लोग आपकी तारीफ करेंगे, खर्च की अधिकता रहेगी, आपको आय के नये स्रोत तलाशना पड़ेंगे, घूमने का कार्यक्रम बन सकता है, दूसरों की मर्यादा का ध्यान रखें।

कुम्भ आपको अपनी अतिरिक्तियों व खुशियों पर ध्यान देने का अवसर मिलेगा, आप जो चाहते हैं, उसके अनुसार अपने कार्यों बनाते चले जायेंगे, भाग्य भी आपकी मदद करेगा, हिम्मत और विश्वास में वृद्धि होगी, कैरियर में पहले से अच्छे प्रस्ताव मिलेंगे, आध्यात्मिक व धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी, तरकी की ऊँचाईयों पर पहुंचेंगे, लेकिन व्यक्तिगत संबंधों को भी पूरा महत्व देंगे।

मीन आपको अपने प्रयासों और मेहनत की बदौलत अच्छी सफलता मिलेगी, आपका मौलिक चिंतन आगे बढ़ने में आपकी मदद करेगा, कार्यक्षेत्र में आपको निरंतर सफलता मिलेगी, पारिवारिक व निजी जीवन में खुशियों का अनुभव होगा, जो लोग आपके कार्यों में अड़बटने खड़ी कर रहे हैं, वे सभी सहयोग करेंगे, मेहनत से लाभ प्राप्त करेंगे, बड़े निवेश के लिये सभी की राय जरूरी है।

